Seventeenth Loksabha

an>

13.00 hrs.

Title: Need for clearance of the reserved forest for 1375 km on Indo-Nepal Border Road.

श्री जगदम्बिका पाल (डुमरियागंज): अधिष्ठाता महोदय, मैं भारत सरकार की एक महत्वाकांक्षी परियोजना की तरफ ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं । भारत-नेपाल की हमारी सीमा 1375 किलोमीटर से जुड़ी हुई है । उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और बिहार तीन राज्यों से यह सीमा जुड़ी है जिसमें उत्तर प्रदेश की 640 किलोमीटर, बिहार 564 किलोमीटर और उत्तराखंड की 173 किलोमीटर की सीमा है ।

सौभाग्य से हमारी केंद्र सरकार भारत-नेपाल की 1375 किलोमीटर की सीमा पर सामरिक दृष्टि से, आर्थिक दृष्टि से, व्यापार की दृष्टि से और बुद्धिस्ट सर्किट की दृष्टि से एक सड़क परियोजना का निर्माण कर रही है । इसमें कुछ आरक्षित वन होने के कारण, कुछ बाणगंगा नदी के बहाव के कारण काम पूरा नहीं हुआ । यह 1375 किलोमीटर की सड़क, चाहे सिद्धार्थ नगर में बाणगंगा नदी के बहाव के कारण हो, मलगहिया से हरबंसपुर तक का जो रास्ता है, वहां सड़क निर्माण में दिक्कत आई है और इसी तरह से अलीगढ़ से गनवरिया तक 0.45 रिजर्व फारेस्ट होने की वजह से परेशानी आई है ।

मैं आपके माध्यम से केंद्र सरकार से मांग करता हूं कि 1375 किलोमीटर इंडो-नेपाल बार्डर सड़क सीमा सुरक्षा के दृष्टिकोण से तीन राज्यों से नेपाल को जोड़ेगा । इसे पूरा करने के लिए जो आरक्षित वन है, उसकी क्लीयरेंस फारेस्ट विभाग से दिलाने हेतु कदम उठाए जाएं ।